

Code No. 5711

Roll No. ....

SET : A

D. El. Ed. 1<sup>st</sup> Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[ Evening Session ]

Time : 2 Hours ]

[ Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे ]

[ अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश : –

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः –

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

5711/(Set : A)

P. T. O.

## भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या - 2 × 3 = 6
- (क) पठनकौशलेन कोऽभिप्रायः ? अस्य विभिन्नानां प्रकाराणां वर्णनं कुरुत।
- (ख) संस्कृतभाषायाः महत्त्वं विविधरूपेण प्रतिपादयति।
- (ग) भाषायाः विविधरूपाणां परिचयं लिखन्, अस्याः शिक्षणोद्देश्यानां वर्णनं कुरुत।
2. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) 'हलन्त्यम्' इत्यस्य सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
- (ख) संधिप्रकरणस्य विविधरूपाणां सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
3. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) ऋग्वेदसंहितायाः संक्षिप्तरूपेण वर्णनं कुरुत।
- (ख) रामायणस्य साहित्यिकमहत्त्वं प्रतिपादयत।
4. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) व्याकरणशिक्षणस्य अधुना का व्यवस्था ? अस्य विभिन्नानां रूपाणां वर्णनं सोदाहरणं करणीयम्।
- (ख) पाठ-प्रस्तावना-कौशलस्य व्याख्या कार्या।
5. **एकस्य** विशदरूपेण उत्तरं लिखत - 1 × 5 = 5
- (क) ब्राह्मणसाहित्यस्य परिचयं लिखत।
- (ख) 'उपमाकालिदासस्य' सूक्तिरियं समाधेया।

## भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
- (क) अक्षर-विन्यासाय को विधिः समीचीनः अस्ति ?
- (i) अनुकरण विधिः (ii) चित्रविधिः
- (iii) माटेसरी विधिः (iv) सर्वे

- (ख) 'न सोऽस्ति प्रत्ययो लोके यः शब्दानुक्रमादृते।  
अनुविद्धमिव ज्ञानं सर्वं शब्देन भाषते॥'  
सूक्तिरियं कुतः संकलिता ?
- (i) वाक्यपदीयात् (ii) यजुर्वेदात्  
(iii) काव्यप्रकाशात् (iv) ऋग्वेदात्
- (ग) 'भ्रातृ' प्रातिपदिकं फारसीभाषायाम् अस्ति -
- (i) ब्रदर (ii) बिरोदर  
(iii) बरोदर (iv) बिरादर
- (घ) 'संस्कृतभाषा' आगच्छति -
- (i) विशेषपरिवारे (ii) भारोपीयपरिवारे  
(iii) द्रविड़परिवारे (iv) तिब्बतपरिवारे
- (ङ) 'ऋकारस्य' उच्चारणस्थानम् अस्ति -
- (i) मूर्धा (ii) कण्ठः  
(iii) तालुः (iv) दन्तः
- (च) 'क + आ + र् + त् + स् + न् + य् + अ + म्' इत्यस्य पदच्छेदस्य रूपं स्यात् -
- (i) कारत्स्यम् (ii) कात्स्यम्  
(iii) कार्तस्यम् (iv) किमपि न
- (छ) 'मातृ + अंशः' इत्यस्य सन्धिपदम् अस्ति -
- (i) मातृशः (ii) मात्रंशः  
(iii) मार्तशः (iv) मातंशः
- (ज) 'सवर्णसंज्ञा' विधायकं सूत्रम् अस्ति -
- (i) हलन्त्यम् (ii) सुप्तिङन्तपदम्  
(iii) परः संनिकर्षसंहिता (iv) तुल्यास्यप्रयत्नं०
- (झ) 'भू' धातोः लङ्लकारस्य उत्तमपुरुषे एकवचने रूपं स्यात् -
- (i) अभवत् (ii) अभवः  
(iii) अभवम् (iv) अभवम्

(ज) 'लता' इत्यस्य प्रातिपदिकस्य द्वितीयाविभक्तौ बहुवचने रूपं स्यात् -

- |            |            |
|------------|------------|
| (i) लता    | (ii) लताः  |
| (iii) लतया | (iv) लतान् |

(ट) 'उत्तररामचरितम्' नाटकमस्ति -

- |              |                 |
|--------------|-----------------|
| (i) भवभूतेः  | (ii) कालिदासस्य |
| (iii) माघस्य | (iv) भासस्य     |

(ठ) वेदाङ्गानि सन्ति -

- |            |           |
|------------|-----------|
| (i) पञ्च   | (ii) षट्  |
| (iii) सप्त | (iv) अष्ट |

(ड) पद्य-शिक्षणे सम्मिलितः अस्ति -

- |                      |                     |
|----------------------|---------------------|
| (i) प्रस्तावना       | (ii) प्रस्तुतीकरणम् |
| (iii) उद्देश्य-कथनम् | (iv) सर्वे          |

(ढ) कथा-शिक्षणे सम्मिलितः अस्ति -

- |                      |                  |
|----------------------|------------------|
| (i) पूर्वज्ञानम्     | (ii) मूल्यांकनम् |
| (iii) शुद्धोच्चारणम् | (iv) सर्वे       |

(ण) 'नाट्य' भिन्नरुचेर्जनस्य बहुधारयेकम् समाराधनम्।

कस्य नाटकस्य भूमिकायां लिखितमस्ति ?

- |                         |                          |
|-------------------------|--------------------------|
| (i) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य | (ii) मालविकाग्निमित्रस्य |
| (iii) उत्तररामचरितस्य   | (iv) मालतीमाधवस्य        |

Code No. 5711

Roll No. ....

SET : B

D. El. Ed. 1<sup>st</sup> Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[ Evening Session ]

Time : 2 Hours ]

[ Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे ]

[ अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश : –

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः –

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

5711/(Set : B)

P. T. O.

## भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या - 2 × 3 = 6
- (क) प्राचीनभारतीयभाषाणां वर्गीकरणे टिप्पणीं लिखत।  
 (ख) श्रवणकौशलेन कोऽभिप्रायः ?  
 (ग) संस्कृतभाषायाः श्रेण्यसाहित्ये टिप्पणीं कुरुत।
2. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) 'अदर्शनं लोपः' 'सुप्तिङन्तं पदम्' च इत्यनयोः **द्वयोः** सूत्रयोः व्याख्या कार्या।  
 (ख) 'हरि' प्रातिपदिकस्य सर्वाणि रूपाणि लिखत।
3. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) निरुक्तमधिकृत्य एकां टिप्पणीं लिखत।  
 (ख) 'दण्डिकः पदलालित्यम्' इति श्रुतिः समाधेया।
4. **एकः** प्रश्नः करणीयः - 1 × 3 = 3
- (क) वर्तमानकाले व्याकरणशिक्षणं प्रति एकां टिप्पणीं कुरुत।  
 (ख) श्लोकोच्चारणविधिना कोऽभिप्रायः ?
5. **एकः** प्रश्नः विशदरूपेण करणीयः - 1 × 5 = 5
- (क) आरण्यकसाहित्ये एकां विशदटिप्पणीं लिखत।  
 (ख) महाभारतम् उपजीव्यकाव्यरूपेण स्थापयत।

## भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
- (क) भाषणकौशल-विषये किम् असंगतम् ?
- (i) मौनम् (ii) सस्वरवाचनम्  
 (iii) वार्तालापः संवादश्च (iv) प्रश्नोत्तरम्

- (ख) वाक्य-विन्यासाय को विधिः समुचितोऽस्ति ?
- (i) श्रुतलेखः (ii) अनुलिपिः  
(iii) सुलेखः (iv) सर्वे
- (ग) इदमन्धतमः कृत्स्नं जायेत भुवनत्रयम्।  
यदि शब्दाह्वयं ज्योतिरासंसारं न दीप्यते।।  
- सूक्तिरियं कुतः संकलिता ?
- (i) महाभाष्यात् (ii) ऋग्वेदात्  
(iii) काव्यादर्शात् (iv) वाक्यपदीयात्
- (घ) इत्संज्ञा विधायकं सूत्रम् अस्ति -
- (i) तस्य लोपः (ii) अदर्शनं लोपः  
(iii) हलन्त्यम् (iv) सुप्तिङन्तं पदम्
- (ङ) कालिदासस्य नाटकमस्ति -
- (i) मालतीमाधवम् (ii) स्वप्नवासवदत्तम्  
(iii) मालविकाग्निमित्रम् (iv) मृच्छकटिकम्
- (च) संस्कृतभाषाया 'पितृ' प्रातिपदिकं फारसीभाषायाम् अस्ति -
- (i) पिदर (ii) फिदर  
(iii) पिथरः (iv) पितर
- (छ) 'लृकारस्य' उच्चारणस्थानमस्ति -
- (i) तालुः (ii) दन्तः  
(iii) मूर्धा (iv) कण्ठः
- (ज) 'कात्स्न्यम्' इत्यस्य पदच्छेदः अस्ति -
- (i) क् + आ + र् + त् + स् + न् + य् + अ + म्  
(ii) क् + आ + र् + अ + त् + स् + न् + य् + म्  
(iii) क् + ऋ + आ + त् + स् + न् + य् + म्  
(iv) कोऽपि न

- (झ) 'अस्' धातोः लृट्लकारस्य प्रथमपुरुषे द्विवचने रूपं स्यात् -
- |                |                 |
|----------------|-----------------|
| (i) भविष्यति   | (ii) असिष्यतः   |
| (iii) भविष्यतः | (iv) असिष्यन्ति |
- (ञ) 'रमा' इत्यस्य प्रातिपदिकस्य सप्तमीविभक्तौ एकवचने रूपं स्यात् -
- |             |              |
|-------------|--------------|
| (i) रमे     | (ii) रमायाम् |
| (iii) रमायै | (iv) रमायाः  |
- (ट) 'वेदाङ्गसाहित्ये' नास्ति -
- |              |                |
|--------------|----------------|
| (i) निरुक्त  | (ii) व्याकरणम् |
| (iii) शिक्षा | (iv) अथर्ववेदः |
- (ठ) 'तव + लृकारः' इत्यस्य सन्धिपदं स्यात् -
- |                |              |
|----------------|--------------|
| (i) तवल्कारः   | (ii) तवृकारः |
| (iii) तवर्कारः | (iv) तलृकारः |
- (ड) पद्य-शिक्षणे सम्मिलितः अस्ति -
- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (i) प्रस्तावना      | (ii) प्रस्तुतीकरणम् |
| (iii) उद्देश्यकथनम् | (iv) सर्वे          |
- (ढ) नाट्यशास्त्रमस्ति -
- |                  |               |
|------------------|---------------|
| (i) भवभूतेः      | (ii) भरतमुनेः |
| (iii) कालिदासस्य | (iv) भारवेः   |
- (ण) कालिदासस्य प्रसिद्धः अलंकारः अस्ति -
- |                 |                      |
|-----------------|----------------------|
| (i) उत्प्रेक्षा | (ii) रूपकम्          |
| (iii) उपमा      | (iv) अर्थान्तरन्यासः |



Code No. 5711

Roll No. ....

SET : C

D. El. Ed. 1<sup>st</sup> Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[ Evening Session ]

Time : 2 Hours ]

[ Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे ]

[ अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :-

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशा: -

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

5711/(Set : C)

P. T. O.

## भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या - 2 × 3 = 6
- (क) लेखनकौशलेन कोऽभिप्रायः ? छात्रेषु अस्य विकासं कर्तुं उपायान् लिखत।
- (ख) संस्कृतभाषायाः महत्त्वं विविधरूपेण प्रतिपादयत।
- (ग) भाषाशिक्षणस्य उद्देश्यानि लिखितानि।
2. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' इत्यस्य सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्यां कुरुत।
- (ख) सुबन्तप्रकरणस्य संक्षिप्तरूपेण परिचयं लिखत।
3. **एकः** प्रश्नः करणीयः - 1 × 3 = 3
- (क) यजुर्वेदसंहितायाः संक्षिप्तरूपेण वर्णनं कुरुत।
- (ख) महाभारतस्य साहित्यिकमहत्त्वं प्रतिपादयत।
4. **एकस्य** प्रश्नस्य उत्तरं लिखत - 1 × 3 = 3
- (क) व्याकरणशिक्षणस्योपरि एकां संक्षिप्तटिप्पणीं लिखत।
- (ख) श्लोकोच्चारणविधिना कोऽभिप्रायः ? संक्षिप्तरूपेण वर्णनं कुरुत।
5. **एकः** प्रश्नः विशदरूपेण समाधेयः - 1 × 5 = 5
- (क) 'वेदः' इत्यनेन कोऽभिप्रायः ? वेदानां महत्त्वं प्रतिपादयत।
- (ख) 'उपमा कालिदासस्य' इत्यस्य वचनस्य व्याख्या कार्या।

## भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
- (क) 'प्रतीतः पदार्थको लोके ध्वनिः शब्दः' कस्य उक्तिरियम् ?
- (i) पाणिनेः (ii) दण्डिनः
- (iii) पतञ्जलः (iv) विश्वनाथस्य

- (ख) 'ऐतरेय ब्राह्मणः' कस्य वेदस्य ब्राह्मणोऽस्ति ?
- (i) ऋग्वेदस्य (ii) अथर्ववेदस्य  
(iii) यजुर्वेदस्य (iv) सामवेदस्य
- (ग) संस्कृतं कस्मिन् परिवारे आगच्छति ?
- (i) विशेषपरिवारे (ii) भारोपीयपरिवारे  
(iii) द्रविड़परिवारे (iv) कस्मिन्नापि न
- (घ) पाणिनेः रचनायाः किं नाम ?
- (i) महाभाष्यम् (ii) गीता  
(iii) अष्टाध्यायी (iv) वाक्यपदीयम्
- (ङ) 'ङकारस्य' उच्चारणस्थानम् अस्ति -
- (i) मूर्धा (ii) दन्तः  
(iii) कण्ठः (iv) तालुः
- (च) 'लोपसंज्ञा' विधायकं सूत्रम् किम् ?
- (i) अदर्शनं लोपः (ii) आदिरन्त्येन सहेता  
(iii) हलन्त्यम् (iv) तस्य लोपः
- (छ) 'प्रज्ञा' इत्यस्य वर्णच्छेदः स्यात् -
- (i) प् + र् + ज् + ज्ञ् + आ (ii) प् + र् + अ + ज् + ज्ञ् + आ  
(iii) प् + अ + र् + ज् + ज्ञ् + अ (iv) कोऽपि न
- (ज) 'रत्न + ईशः' किं सन्धिपदम् ?
- (i) रत्नीशः (ii) रतेशः  
(iii) रत्नेशः (iv) रत्निशः
- (झ) 'धातृ + अंश' इत्यस्य सन्धिः स्यात् -
- (i) धातृशं (ii) धात्रंशं  
(iii) धातृशं (iv) धातृशं

- (ज) 'गम्' धातोः लङ्लकारस्य उत्तमपुरुषे एकवचने रूपं भवति –
- (i) अगच्छम (ii) अगच्छाव  
(iii) अगच्छाम (iv) अगच्छम्
- (ट) वेदाः सन्ति –
- (i) चत्वारः (ii) त्रयः  
(iii) द्वौ (iv) पञ्च
- (ठ) उपमा ..... ? (रिक्तस्थानं पूरयत।)
- (i) भवभूतेः (ii) माघस्य  
(iii) कालिदासस्य (iv) भारवेः
- (ड) पाठयोजनायाः कति प्रकाराः सन्ति ?
- (i) द्वौ (ii) त्रयः  
(iii) चत्वारः (iv) पञ्च
- (ढ) 'मालविकाग्निमित्रम्' कस्य रचना अस्ति ?
- (i) कालिदासस्य (ii) भवभूते  
(iii) भासस्य (iv) कस्यापि न
- (ण) 'जकारस्य' उच्चारणस्थानम् अस्ति :-
- (i) तालुः (ii) दन्तौष्ठः  
(iii) औष्ठः (iv) कण्ठः

Code No. 5711

SET : D

Roll No. ....

D. El. Ed. 1<sup>st</sup> Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[ Evening Session ]

Time : 2 Hours ]

[ Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे ]

[ अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :-

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः -

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

5711/(Set : D)

P. T. O.

## भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या संक्षिप्तरूपेण कार्या - 2 × 3 = 6
- (क) प्राचीनभारतीयानां भाषाणामुपरि एकां टिप्पणीं लिखत।  
 (ख) संस्कृतभाषायाः श्रेण्यसाहित्ये टिप्पणीं लिखत।  
 (ग) श्रवणकौशलेन कोऽभिप्रायः ?
2. **एकस्य** प्रश्नस्य उत्तरं लिखत - 1 × 3 = 3
- (क) 'हलन्त्यम्' 'आदिरन्त्येन सहेता' इत्यनयोः सूत्रयोः व्याख्या कार्या।  
 (ख) 'रमा' प्रातिपदिकस्य सर्वाणि रूपाणि लिखितानि।
3. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) वेदाङ्गं निरुक्तमधिकृत्य एकां टिप्पणीं लिखत।  
 (ख) 'दण्डिनः पदलालित्यम्' इतिश्रुतिः समाधेया।
4. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) वर्तमानकाले व्याकरणशिक्षस्य का व्यवस्था ? व्याख्या कार्या।  
 (ख) श्लोकोच्चारणविधिना कोऽभिप्रायः ?
5. **एकः** प्रश्नः विशदरूपेण करणीयः - 1 × 5 = 5
- (क) यजुर्वेदसंहितामधिकृत्य एकां विशदटिप्पणीं लिखत।  
 (ख) महाभारतम् उपजीव्यकाव्यरूपेण स्थापयत।

## भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
- (क) 'न सोऽस्ति प्रत्ययो लोके यः शब्दानुक्रमादृते  
 अनुविद्धमिव ज्ञानं सर्वं शब्देन भाषते।।' 15 × 1 = 15
- कुतः संकलिता सूक्तिरियं ?
- (i) काव्यप्रकाशात् (ii) वाक्यपदीयात्  
 (iii) यजुर्वेदात् (iv) ऋग्वेदात्

- (ख) अक्षर-विन्यासाय को विधि: समीचीन: अस्ति -
- (i) मांटेसरी विधि: (ii) अनुकरणविधि:  
 (iii) चित्रविधि: (iv) सर्वे
- (ग) 'भ्रातृ' प्रातिपदिकं फारसीभाषायाम् अस्ति -
- (i) बरोदर (ii) ब्रदर  
 (iii) बिरादर (iv) बिरोदर
- (घ) संस्कृतभाषा कस्मिन् परिवारे आगच्छति ?
- (i) द्रविड़परिवारे (ii) विशेषपरिवारे  
 (iii) भारोपीयपरिवारे (iv) तिब्बतपरिवारे
- (ङ) 'जकारस्य' उच्चारणस्थानमस्ति -
- (i) तालु: (ii) कण्ठ:  
 (iii) मूर्धा (iv) दन्त:
- (च) 'अदर्शनं लोपः' इति सूत्रं कां संज्ञां करोति :-
- (i) संहिता संज्ञा (ii) पदसंज्ञा  
 (iii) लोपसंज्ञा (iv) किमपि न
- (छ) 'प् + र् + अ + ज् + ज् + आ' इत्यस्य किं सन्धि पदं स्यात् ?
- (i) प्रजा (ii) पर्जा  
 (iii) प्राज्ञ (iv) प्रज्ञा
- (ज) 'लतेशः' इत्यस्य वर्णच्छेदः स्यात् -
- (i) ल् + त् + अ + ई + श् + अः  
 (ii) ल् + त् + आ + ई + श् + अः  
 (iii) ल् + अ + त् + आ + ई + श् + अः  
 (iv) ल् + अ + त् + आ + इ + श् + अः

- (झ) 'मातृ + अंशः' इत्यस्य सन्धिपदं स्यात् -
- (i) मात्रश (ii) मात्रंश  
(iii) मातृंश (iv) मात्रांशः
- (ञ) 'गम्' धातोः लङ्लकारस्य उत्तमपुरुषे एकवचने रूपं भवति -
- (i) अगच्छम् (ii) अगच्छम  
(iii) अगच्छाव (iv) अगच्छाम
- (ट) उपमा ..... ? (रिक्तस्थानं पूरयत।)
- (i) कालिदासस्य (ii) भारवेः  
(iii) भर्तृहरेः (iv) भासस्य
- (ठ) वेदाः सन्ति -
- (i) पञ्च (ii) त्रयः  
(iii) चत्वारः (iv) षट्
- (ड) पाठयोजना अस्ति/स्तः -
- (i) चतस्रः (ii) तिस्रः  
(iii) एका (iv) द्वे
- (ढ) 'मालविकाग्निमित्रम्' अस्ति -
- (i) माघस्य (ii) भवभूतेः  
(iii) कालिदासस्य (iv) कस्यापि न
- (ण) 'ऋकारस्य' उच्चारणस्थानमस्ति -
- (i) औष्ठः (ii) मूर्धा  
(iii) तालुः (iv) कण्ठः